सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 253 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 22 अक्टूबर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

हम बाहरी दुनिया में कभी शांति नहीं पा सकते हैं, जब तक की हम अन्दर से शांत ना हों।

-दलाई लामा

एडिलेड में वापसी को तैयार भारतीय... 7 | राजस्थान अंता उपचुनाव पर वसुंधरा... 3 | वर्चस्ववादी सोच के अंहकार में... 2

साजिश या हादसा?

जस्टिस गवई पर हमला, राष्ट्रपति की सुरक्षा में चूक

» भारत में दलित प्रतिनिधि सुरक्षित नहीं!

» बाल-बाल बची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

» लैंडिंग के वक्त राष्ट्रपति का हैलीकॉप्टर धंसा

अग्निशमन बल के जवान रहे मुस्तैद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल दौरे पर पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सुरक्षा में अभी तक की सबसे बड़ी लापरवाही सामने आयी है। राष्ट्रपति मुर्मू सबरीमाला मंदिर दर्शन के लिए केरल पहुंची हैं जहां एक अप्रत्याशित घटना से उनका सामना हुआ है। प्रमदम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर लैडिंग के समय हैलीपैड में धंस जाने से अफरा-तफरी का माहौल हो गया। शुक्र है कि घटना के बाद पुलिस और फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज के कर्मियों ने हेलीकॉप्टर की सुरक्षा सुनिश्चित की।

राष्ट्रपति मुर्मू समेत सुरक्षाकर्मी और चालक दल पूरी तरह से सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार राष्ट्र पति का हेलीकॉप्टर पहले निलक्क में उतरना था लेकिन खराब मौसम और बारिश के चलते देर शाम लैंडिंग स्थल को बदलकर पथानमथिट्टा के प्रामदम स्टेडियम कर दिया गया। यहां हेलीपैड पर जल्दबाजी में नया कंक्रीट डाला गया था जो पूरी तरह सूख नहीं पाया था। हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद राष्ट्रपति का काफिला सड़क मार्ग से पंबा के लिए रवाना हो गया। राष्ट्रपति के रवाना होने के बाद कई पुलिसकर्मी और अग्निशमन बल के जवान राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर के पहियों को हैलीपैड पर बने गड्ढों से निकालते दिखाई दिए। आखिरी समय पर राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर को उतारने के लिए जगह तय की गई थी, जिसके चलते मंगलवार देर रात ही हेलीपैड बनाया गया।

कंक्रीट में धस गये पहिए

राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर जैसे ही लैंड हुआ उसके पहिए गीले कंक्रीट में धंस गए। हालांकि सुरक्षा अधिकारियों और ग्राउंड स्टाफ ने तुरंत एक्शन लेकर स्थिति को संभाल लिया। बाद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत सबरीमाला मंदिर के लिए रवाना हुईं। राष्ट्रपति मुर्मू चार दिवसीय केरल यात्रा पर हैं राष्ट्रपति मुर्मू सबरीमाला मंदिर में दर्शन और आरती करेंगी। राष्ट्रपति कल तिरुवनंतपुरम में पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन की प्रतिमा का अनावरण करेंगी। इसके बाद वे वर्खला स्थित शिवगिरी मठ में आयोजित श्री नारायण गुरु की महासमाधि शताब्दी समारोह के उद्घाटन में शामिल होंगी। बाद में वे सेंट थॉमस कॉलेज, पलई के प्लैटिनम जुबली (75वीं वर्षगांठ) के समापन में भी शामिल होंगी। 24 अक्टूबर को राष्ट्रपति सेंट टेरेसा कॉलेज, एर्नाकुलम की शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

साधारण घटना नहीं है यह

समाजिक विशलेषक हो या फिर राजनीतिक विशलेषक दोनों ही इसे साधारण घटना नहीं मान रहे हैं। कुछ दिन पहले दलित मूल के जस्टिस बी.आर. गवई पर जूता फेंककर हमला हुआ और अब देश की पहली आदिवासी और दलित पृष्ठभूमि से आने वाली महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सुरक्षा में ऐसी चूक सामने आई जिसने पूरे तंत्र की संवेदनशीलता पर सवाल खड़ा कर दिया। शुक्र यह रहा कि कोई अनहोनी नहीं हुई लेकिन घटना ने दिखा दिया कि इस देश में पद भले ऊंचा हो पर अस्मिता अब भी असुरक्षित है। यह दोनों घटनाएं प्रतीक हैं उस गहरी खाई की जो आज भी संवैधानिक समानता और सामाजिक वास्तविकता के बीच पसरी हुई है। एक तरफ देश कहता है कि उसने दलितों और आदिवासियों को सर्वोच्च पदों तक पहुंचाया है लेकिन दूसरी तरफ उन्हीं प्रतीकों की सुरक्षा गरिमा और सम्मान को लेकर लापरवाही हर स्तर पर दिखती है। जब देश की राष्ट्रपति का हैलीपैड धंस जाए और जस्टिस गवई जैसे व्यक्ति पर अदालत में हमला हो जाए तो यह केवल घटनाएं नहीं रहतीं यह मानसिकता की एक्सरे रिपोर्ट बन जाती हैं।

सत्ता मौन, लोकतंत्र के लिए खतरा

सत्ता का यह मौन लोकतंत्र की सबसे खतरनाक भाषा है क्योंकि जब सत्ता बोलना बंद कर देती है तो व्यवस्था का भेद खुलने लगता है। प्रेसीडेंट द्रौपदी मुर्मू का हेलीकॉप्टर हादसा सिर्फ एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि उस धंसती हुई संवैधानिक जिम्मेदारी का प्रतीक है जिसमें दलित अस्मिता धीरे-धीरे जमीन खो रही है। और जस्टिस गवई पर हुआ हमला उस मानसिकता का परिचायक है जो अब भी दलित को शक्ति का नहीं शिष्टाचार का पात्र मानती है। भारत की नई राजनीति चाहे जितना भी कहे कि यह नया भारत है लेकिन ये दोनों घटनाएं एक पुराना सवाल फिर से जगा देती हैं कि क्या इस देश में दलित अब भी सिर्फ प्रतीक हैं या वास्तव में समान नागरिक?

दलित होना राजनीतिक जोखिम!

रिपोर्ट साफ कहती है कि भारत में दलित होना आज भी एक राजनीतिक जोखिम है। चाहे आप गांव की चौपाल में हों या दिल्ली के राइसिना हिल पर। दलितों को सत्ता की ऊंचाई तो दे दी गई है मगर सुरक्षा की जमीन अब भी कमजोर है। इससे भी ज्यादा विडंबना यह है कि देश की राजनीति जो हर चुनाव में दलित सम्मान का शोर मचाती है इन घटनाओं पर असहज चुप्पी साधे बैठी है। न सरकार में बैठे नेता इसे गंभीर सुरक्षा चूक के रूप में ले रहे हैं और न विपक्ष इसे दलित अस्मिता पर हमला मानने को तैयार है।

वर्चस्ववादी सोच के अंहकार में डूबी है बीजेपी : अखिलेश

» दोनों डिप्टी सीएम के अयोध्या दीपोत्सव में शामिल न होने पर सपा का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव में दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक शामिल नहीं हुए। इन दोनों नेताओं के वहां न पहुंचने पर विपक्ष के निशाने पर भाजपा की सरकार आ गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स के जरिये तंज कसा है कि भाजपा में डबल इंजन ही नहीं, इंजन से डबल डिब्बे भी टकरा रहे हैं।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि उस भाजपा से क्या उम्मीद करना, जो वर्चस्ववादी सोच के अंहकार में डूबी है और अपनों की ही सगी नहीं है। सपा अध्यक्ष ने व्यंगात्मक लहजे में कहा कि जनता पूछ रही है कि उप्र भाजपा सरकार में उप मुख्यमंत्री के दोनों पद समाप्त कर दिए गए हैं क्या? बता दें दोनों नेताओं ने अयोध्या जाने का अपना कार्यक्रम अचानक रद्द कर दिया। केशव ने इस संबंध में एक पत्र भी जारी किया है जिसमें लिखा है कि अपरिहार्य कारणों से अयोध्या जाने के कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा है। जबकि ब्रजेश पाठक ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। अलबत्ता यह बताया जा रहा है कि पहले से तय कार्यक्रम में व्यस्तता की वजह से वह अयोध्या नहीं पहुंच पाए। इसके अलावा राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी दीपोत्सव में शामिल होने के अपने कार्यक्रम को रद्द कर दिया।

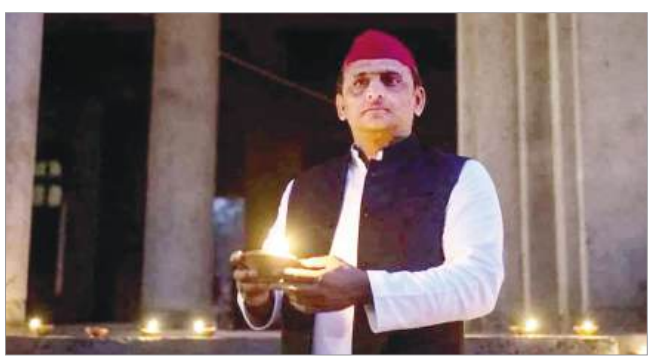

सपा प्रमुख ने दीपोत्सव में सरकारी खर्च पर उठाए सवाल

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने दिवाली समारोहों पर सरकार के भारी खर्च पर सवाल उठाए और इसकी तुलना दुनिया भर में क्रिसमस के जश्न से की। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को शहरों में क्रिसमस मनाने के तरीके से सीखना चाहिए। एक जनसभा को संबोधित करते हुए, यादव ने कहा, मैं भगवान राम के नाम पर एक सुझाव देना चाहूंगा। दुनिया भर में, क्रिसमस के दौरान सभी शहर महीनों तक जगमगाते रहते हैं। हमें उनसे सीखना चाहिए। उन्होंने सरकार के खर्च करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा, हमें दीयों और मोमबत्तियों पर पैसा क्यों खर्च करना पड़ता है और इसके लिए इतना सोचना क्यों पड़ता है। उन्होंने आगे सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, हम इस सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं? इसे हटा दिया जाना चाहिए। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि और भी खूबसूरत रोशनियां हों। के रखे जाने के पैटर्न के आधार पर की जा रही है।

प्रचार करने के बजाय फूट डाल रहे हैं योगी

अखिलेश यादव ने बिहार चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका की आलोचना करते हुए कहा कि वे प्रचार करने के बजाय फूट डाल रहे हैं। उन्होंने एनडीए सरकार पर नफरत फैलाने, नकारात्मक विचार रखने और नागरिकों के एक समूह को बहिष्कृत करने का आरोप लगाया।

सांसद अवधेश प्रसाद को न बुलाने पर पीडीए समाज बेहद आहत

सांसद अवधेश प्रसाद का नाम लिए बगैर अखिलेश ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि भाजपा सरकार द्वारा अयोध्या के पीडीए सांसद को दीपोत्सव में नहीं बुलाने से पीडीए समाज बेहद आहत है।

राज्य की हालत यह है कि लखनऊ में हर जगह ट्रैफिक जाम है

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि लखनऊ को तीसरा सबसे स्मार्ट शहर घोषित करने वाले अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने कहा शहर में इतना कचरा और ट्रैफिक है। करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी ट्रैफिक को नियंत्रित नहीं कर पाते।

बसपा की 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर नजर

» पार्टी के भीतर बड़े बदलाव, मुनकाद अली को मेरठ का मुख्य मंडल प्रभारी से हटाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। यूपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में सभी दल जुट गए हैं। इसी कड़ी में बसपा ने पार्टी के भीतर बड़े फेरबदल किए गए हैं। बसपा प्रमुख मायावती के निर्देश पर मंडलों के मुख्य प्रभारियों के दायित्वों में बदलाव किया गया है। पूर्व राज्यसभा सांसद मुनकाद अली और पूर्व सांसद गिरीश चंद जाटव को मेरठ मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी पद से हटा दिया गया है।

उनके स्थान पर अमरोहा के जाफर अली और विक्रम सिंह जाटव को नियुक्त किया गया है। यह फेरबदल दीपावली के दिन किया गया है। पश्चिम क्षेत्र के पूर्व मुख्य प्रभारी शमसुद्दीन राइन को बरेली मंडल का मुख्य प्रभारी नियुक्त किया गया है। मेरठ-सहारनपुर और मुरादाबाद मंडल के निवर्तमान मुख्य प्रभारी पूर्व राज्यसभा सांसद मुनकाद अली और पूर्व सांसद गिरीश चंद जाटव को मेरठ मंडल के प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। इनके स्थान पर आगरा के विक्रम सिंह जाटव और अमरोहा के जाफर मलिक को लगाया गया है। मेरठ मंडल की दूसरी टीम में मेघानंद जाटव, रोहताश सिंह जाटव, डॉ कमल सिंह राज और परवेज आलम उर्फ गोलू भी मेरठ मंडल का काम देखेंगे। माना जा रहा है कि बसपा नेतृत्व ने यह तय किया है कि दो-दो मंडलों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं के पास रहेगी। इसी के तहत मंडलों के मुख्य प्रभारियों का दायित्व बदला गया है। यह परिवर्तन दीपावली के दिन किया गया है।

तीन नेता देखेंगे मेरठ जिले का काम

बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर सिंह, पुष्पेन्द्र जाटव और प्रबुद्ध कुमार जाटव को मेरठ जिले का प्रभारी बनाया गया है। ये तीनों मिलकर मेरठ जिले का काम देखेंगे। इस फेरबदल से पार्टी संगठन में नई ऊर्जा लाने और मिशन-2027 की तैयारियों को मजबूत करने की कवायद मानी जा रही है।

महागठबंधन कोई फॉर्मूला अपना ले बिहार में बनेगी एनडीए सरकार : संजय निषाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री और निषाद पार्टी प्रमुख डॉ. संजय निषाद का बड़ा दावा सामने आया है। संजय निषाद ने विपक्ष के महागठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे जो चाहे कोई भी फॉर्मूला अपना लें, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) बिहार में सरकार बनाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर पार्टी और गठबंधन की अपनी विचारधारा एवं प्रणाली होती है, लेकिन महागठबंधन के नेताओं ने राजनीति को एक पेशे में बदल दिया है।

डॉ. संजय निषाद ने दावा करते हुए कहा कि वे (महागठबंधन) जो भी फॉर्मूला अपनाते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ने वाला है। एनडीए बिहार में सत्ता में आएगी। हर गठबंधन की अपनी विचारधारा और प्रणाली होती है। हर कोई उसी के अनुसार काम करता है, लेकिन इन लोगों ने राजनीति को अपना पेशा बना लिया है। इस बीच, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि महागठबंधन बनने से पहले ही टूटने की कगार पर है। सांसद ने कहा कि उनके (राजद) पास राजनीतिक एजेंडा का अभाव है। महागठबंधन बनने से पहले ही टूटने की कगार पर है। हर कोई जानता है कि तेजस्वी का करिश्मा फीका पड़ गया है। अब, एकमात्र व्यक्ति जो सफल होगा, वह हैं नीतीश कुमार।

मोदी बातें छुपाते हैं, ट्रंप खोल देते हैं : जयराम

» कांग्रेस ने उठाया प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर सवाल

» दिवाली पर हुई मोदी-ट्रंप की फोन पर बातचीत पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर सूचनाएं छिपाने और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा उन्हें उजागर करने का कटाक्ष किया है। दिवाली पर हुई फोन बातचीत में, पीएम मोदी ने केवल शुभकामनाएं बताईं, वहीं ट्रंप ने दावा किया कि रूस से भारत के तेल आयात रोकने पर भी चर्चा हुई। यह घटना भारत की विदेश नीति की पारदर्शिता और कूटनीतिक संचार में संभावित अंतराल पर गंभीर सवाल उठाती है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल खरीद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने के बार-बार दावों पर केंद्र सरकार से सवाल किया। यह देखते हुए कि ट्रंप ने पिछले पांच दिनों में तीन बार अपने दावे दोहराए हैं, रमेश ने कहा कि इस सप्ताह के अंत में बुडापेस्ट में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की तैयारी के साथ यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। कांग्रेस ने दिवाली के अवसर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच फोन पर हुई बातचीत को लेकर बुधवार को कटाक्ष किया कि प्रधानमंत्री बातों को छुपा जाते हैं, वहीं ट्रंप उन्हें उजागर कर देते हैं। ट्रंप ने दिवाली के अवसर पर प्रधानमंत्री को फोन किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

ट्रंप का दावा : अब रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा भारत

ट्रंप ने दिवाली के मौके पर व्हाइट हाउस में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की है और भारत अब रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। प्रधानमंत्री ने कहा, रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें। दोनों नेताओं के बीच फोन पर यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब व्यापार शुल्क और अन्य मुद्दों को लेकर अमेरिका-भारत संबंधों में तल्खी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बेंगलुरु के लिए भाजपा सांसदों ने कुछ नहीं किया : शिवकुमार

» डिप्टी सीएम ने दी खुली चुनौती- केंद्र से एक रुपया भी लाएं हों तो बताएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु के बुनियादी ढांचे और नागरिक समस्याओं को लेकर राज्य सरकार की आलोचना करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके बेंगलुरु सांसदों पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा सरकार ने नागरिक सहभागिता के लिए ऐसी अनूठी व्यवस्था स्थापित की है जो देश में किसी और सरकार ने नहीं की।

शहर की सड़कों की सफेदी और अन्य विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, शिवकुमार ने अपनी सरकार द्वारा लाए गए एक नागरिक-केंद्रित सुधार पर जोर दिया। उन्होंने कहा, क्या कोई और सरकार है जो नागरिकों को गड्ढों या कचरे की तस्वीरें लेने और उन्हें सीधे कार्रवाई के लिए अधिकारियों को भेजने की अनुमति देती है? केवल मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व में ही हमने ऐसी व्यवस्था लागू की है। शिवकुमार ने यह भी जानकारी दी कि उनकी सरकार पहले ही 10,000 से ज्यादा गड्ढे बंद कर चुकी है। उन्होंने पिछली बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए याद दिलाया कि पिछली सरकार ने अदालत में एक हलफनामा दायर किया था जिसमें स्वीकार किया गया था कि शहर में 20,000 गड्ढे थे। भाजपा नेताओं को निशाने पर लेते हुए, उपमुख्यमंत्री ने सरकार के दो प्रमुख विकास निर्णयों, 113 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर और एक शहर सुरंग परियोजना, की आलोचना करने के लिए भी विपक्ष की निंदा की।

राजस्थान में अंता उपचुनाव पर वसुंधरा का दांव

- बीजेपी का चेहरा होंगे मोरपाल सुमन
- सियासी रणभूमि पूर्व मुख्यमंत्री की
- वापसी की राह तय करेंगे ये चुनाव
- कांग्रेस भी इस सीट पर तैयारी में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की अंता विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी भले ही मोरपाल सुमन है लेकिन असल में अब यह चुनाव वसुंधरा राजे का है। इस उपचुनाव के नतीजे राजस्थान की राजनीति में राजे की वापसी की राह तय करेंगे।

वहीं कांग्रेस भी इस सीट पर दांव लगा रही है । पायलट से लेकर गहलोत तक मेहनत कर रहे है। पचुनाव भले ही छोटा है लेकिन इसके नतीजे बहुत दूर तक असर करेंगे। बीजेपी ने शुक्रवार को बारां पंचायत समिति के प्रधान मौरपाल सुमन को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इसके बाद देर शाम स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी कर दी, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राधामोहन दास अग्रवाल, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के अलावा केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, अर्जुनराम मेघवाल, भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का नाम शामिल हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि सुमन का टिकट राजे के कहने पर फाइनल किया गया है ऐसे में अब यह चुनाव वसुंधरा राजे की प्रतिष्ठा से जुड़ गया है। वसुंधरा राजे टिकट ऐलान के साथ फील्ड में पूरी तरह सक्रिय भी हो गई हैं। हालांकि मुकाबला त्रिकोणीय है। कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया 5 बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं और 3 में उन्हें जीत मिली है। नरेश मीणा भी निर्दलीय के तौर पर विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

सुमन का यह पहला विधानसभा चुनाव

वहीं सुमन का यह पहला विधानसभा चुनाव है। हालांकि सुमन स्थानीय और लो प्रोफाइल नेता माने जाते हैं, लेकिन क्षेत्र के जातीय समीकरणों को देखते हुए भाजपा ने उन्हें एक सोची-समझी रणनीति के तहत मैदान में उतारा है। अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ रहे सुमन को झालावाड़ विधायक और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का सियासी आर्शिवाद प्राप्त है। कांग्रेस ने इस सीट से पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया को प्रत्याशी बनाया है, जबकि नरेश मीना निर्दलीय रूप में चुनावी रण में उतरेंगे। ऐसे में अंता में त्रिकोणीय मुकाबला तय माना जा रहा है।

मेघवाल 2 013 में जीता था चुनाव

रामपाल मेघवाल 2013 में बारां जिले की अंता विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीत चुके थे। इस बार वह अंता उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतरने जा रहे हैं। माना जा रहा है कि उनके चुनावी दांव से भाजपा और कांग्रेस दोनों को नुकसान हो सकता है। दिलचस्प यह है कि कांग्रेस के वैकल्पिक उम्मीदवार के तौर पर प्रमोद जैन भाया की पत्नी उर्मिला जैन भी नामांकन दाखिल कर चुकी हैं। इसके अलावा एसडीएम के साथ हुए विवाद के बाद चर्चा में आए नरेश मीणा ने भी इस उपचुनाव में अपनी दावेदारी पेश की है। 21 अक्टूबर को नामांकन की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अब अंता सीट पर बीजेपी-कांग्रेस के साथ ही निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में हैं। यह उपचुनाव बीजेपी और कांग्रेस दोनों के लिए महत्वपूर्ण है और रामपाल मेघवाल के निर्दलीय रूप से मैदान में उतरने के बाद अब स्थिति और भी रोमांचक हो गई है। चुनावी रणनीतियों और दावेदारों की बढ़ती संख्या से अंता सीट पर मुकाबला अब और भी दिलचस्प हो गया है।

सुमन की जातीय समीकरण और स्थानीय स्तर पर स्वीकार्यता

सूत्रों के अनुसार, भाजपा टिकट की दौड़ में पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी भी शामिल थे। सैनी और सुमन दौनों ही माली समुदाय से आते हैं। पार्टी रणनीतिकारों ने जातीय समीकरण और स्थानीय स्तर पर स्वीकार्यता को ध्यान में रखते हुए सुमन को तरजीह दी। बताया जा रहा है कि प्रभुलाल सैनी को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का समर्थन नहीं मिल पाया, और क्षेत्र में बाहरी छवि होने के कारण उनकी दावेदारी कमजोर हो गई। दूसरी ओर, सुमन वसुंधरा राजे के करीबी माने जाते हैं और स्थानीय स्तर पर मजबूत पकड़ रखते हैं। सुमन वर्तमान में बारां जिले के संयुक्त माली महासंघ के अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी तिसाया-लसड़िया पंचायत की सरपंच हैं, जिससे क्षेत्र में उनका सामाजिक जुड़ाव और प्रभाव और भी बढ़ जाता है।

मोरपाल सुमन बारां पंचायत समिति के प्रधान हैं

राजस्थान की अंता सीट पर विधानसभा का उपचुनाव होना है। अंता सीट के लिए सत्ता में काबिज भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रत्याशी मोरपाल सुमन शनिवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया। उनका आवेदन भरवाने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और झालावाड़ सांसद दुष्यंत सिंह पहुंचेंगे। नामांकन से पहले उनका रोड शो होगा। ये रोड शो अंता पोस्ट ऑफिस,

बालाजी जी की बगीची से होते हुए एसडीएम कार्यालय पर पहुंचेगा। वर्तमान में मोरपाल सुमन बारां पंचायत समिति के प्रधान हैं। इनका मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया और निर्दलीय नरेश मीणा से होगा। सुमन पहली बार विधायक का चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने उनकी लगातार संगठन में सक्रियता को देखते हुए और सीट पर जातिगत समीकरण के आधार पर उन्हें टिकट दिया है। भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन स्थानीय नेता है। इस बात अंता से भाजपा कार्यकर्ता संतुष्ट हैं। इसलिए मोरपाल सुमन की दावेदारी मजबूत रही। पिछले चुनावों में भाजपा ने अंता से लगातार बाहरी प्रत्याशी को टिकट दिया था। यहां से दो बार प्रभुलाल सैनी चुनाव लड़ चुके। साल 2013 में वे यहां से जीतकर मंत्री भी बने। साल 2018 में भी सैनी ने ही यहां से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे।

एक बार रद्द हो चुका है नामांकन

साल 2015 ने जिला परिषद चुनाव में सदस्य के रूप में मोरपाल सुमन ने नामांकन किया था। तब वे जिला प्रमुख के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन उनका नामांकन ही रद्द हो गया था। इससे वे चुनाव नहीं लड़ पाए थे।

प्रमोद जैन भाया कांग्रेस प्रत्याशी

अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर कांग्रेस के प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने पंडितों के बताएं शुभ मुहूर्त अनुसार अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। पूर्व मंत्री भाया 15 अक्टूबर को रैली और आम सभा के साथ एक बार फिर औपचारिक नामांकन पत्र भरा। अंता विधानसभा चुनाव कांग्रेस जीतना चाहती है। पार्टी इसके लिए पूरा भरसक प्रयास करेगी। प्रमोद जैन भाया ने शक्ति प्रदर्शन के साथ नामांकन रैली और सभा किया जिसमें पार्टी के बड़े चेहरे शामिल हुए सभा अंता कृषि उपज

मण्डी परिसर में हुई। एआईसीसी महासचिव राजस्थान प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष राजस्थान विधानसभा टीकाराम जूली, एआईसीसी महासचिव पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, एआईसीसी महासचिव भंवर जितेन्द्र सिंह, दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा सहित हाडौती के वरिष्ठ कांग्रेस नेता शांति कुमार धारीवाल विधायक, पूर्व मंत्री हरिमोहन शर्मा, कोटा-बूंदी लोकसभा प्रत्याशी रहे प्रहलाद गुंजल और पूर्व मंत्री अशोक चांदना प्रमुख चेहरे मौजूद रहे।

भाजपा विधायक कंवरलाल मीना की सदस्यता रद्द होने के चलते हो रहा उपचुनाव

यह उपचुनाव भाजपा विधायक कंवरलाल मीना की सदस्यता रद्द होने के चलते हो रहा है। मीना को 20 साल पुराने एक मामले में SDM को पिस्तौल दिखाने का दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद मई में उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त कर दी गई। सीट खाली होने के छह माह के भीतर उपचुनाव कराया जाना अनिवार्य है।

प्रमोद को पांचवा मौका

प्रमोद जैन भाया अंता सीट से चुनाव लड़ेंगे। बड़ी बात यह है कि ये पांचवा मौका है, जब कांग्रेस पार्टी ने उन पर फिर से भरोसा जताया है। बता दें कि भाया ने अंता-बारां सीट जब एक थी तो साल 2003 में पहला चुनाव निर्दलीय लड़ा था और जीत दर्ज की थी। इसके बाद परिसीमन होने के बाद अंता विधानसभा अलग नई सीट बनकर उभरी। तब से प्रमोद जैन भाया इस सीट पर लगातार कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ते हुए आ रहे हैं। कांग्रेस के टिकट पर प्रमोद जैन भाया ने अब तक चार चुनाव लड़े हैं और दो में जीत दर्ज की। दो में हार का उन्हें सामना करना पड़ा है।

नरेश मीणा निर्दलीय ने नामांकन पत्र भरा

14 अक्टूबर को नरेश मीणा निर्दलीय नामांकन पत्र दाखिल किया। नरेश मीणा राजस्थान यूनिवर्सिटी के छात्र संघ पूर्व महासचिव रहे हैं। छात्र राजनीति से निकले हैं। अब तक दो विधानसभा चुनाव नरेश मीणा लड़े हैं और दोनों में हार मिली है। लेकिन कांग्रेस के लिए छबड़ा-देवली उनियारा चुनाव में बड़ी परेशानी खड़ी करते हुए बड़ा नुकसान पहुंचा चुके हैं। इधर, जानकारी मिली है कि बीजेपी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की पसंद का ही उम्मीदवार अंता विधानसभा उपचुनाव में उतरेगी।

अंता विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,27,563 मतदाता

1 अक्टूबर को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, अंता विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,27,563 मतदाता हैं—1,15,982 पुरुष, 1,10,241 महिलाएं और चार तीसरे लिंग से संबंधित मतदाता। पिछले ड्राफ्ट की तुलना में मतदाताओं की संख्या में 1,336 की बढ़ोतरी हुई है। राज्य में सरकार बनने के बाद से भाजपा ने अब तक सात उपचुनावों में से पांच पर जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस केवल एक सीट जीत सकी है। भाजपा ने खींवसर, डोली-उनियारा, झुंझुनूं, रामगढ़ और सलूंबर सीटों पर कब्जा जमाया है, वहीं कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को इन उपचुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ा।

हालांकि अंता का यह उपचुनाव विधानसभा में बहुमत को प्रभावित नहीं करेगा, लेकिन इसे सरकार के प्रदर्शन पर जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा है। यदि भाजपा यह सीट जीतने में सफल होती है, तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की नीतियों को जनता का समर्थन माना जाएगा। वहीं, हार की स्थिति में विपक्ष को सरकार पर हमला करने का बड़ा मुद्दा मिल सकता है। निर्वाचन कार्यक्रम - गजट अधिसूचना जारी 13 अक्टूबर, नामांकन की आखिरी तारीख 21 अक्टूबर, नामांकन पत्रों की जांच 23 अक्टूबर, नाम वापसी की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर, मतदान की तिथि 11 नवंबर, मतगणना 14 नवंबर को होगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बूथ तक मतदाता पहुंचे सबकी जिम्मेदारी

बिहार में इस बार करीब साढ़े तीन करोड़ महिला मतदाता हैं। जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या 3.92 करोड़ हैं। पलायन का दंश झेल रहे बिहार में वास्तव में पुरुष मतदाता कम हैं। मतदाता सूची में दर्ज नाम वाले भी वोटर परदेस में रोजी-रोटी कमाने को मजबूर हैं।

बिहार में चुनाव नवंबर में हैं। सभी सियासी दल चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। सबकी एक ही ही इच्छा है कि मतदाता बड़ी संख्या में बूथ पहुंचे और वोट डाले। निवार्चन आयोग भी इसके लिए मेहनत कर रहा है। विवादों के बाद सबसे बड़ा सवाल वोटिंग प्रतिशत पर बढ़ाने को लेकर है। एसआईआर में कई लोगों के नाम कटना जहां प्रभाव डालेगा। वहीं युवाओं व महिलाओं को बूथ भारी संख्या में पहुंचाने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। हालांकि पिछले कुछ महीनों में विपक्ष ने जैसे आरोप चुनाव आयोग पर लगाया है ऐसे में वह अपनी कार्यशैली कैसी रखता है ये देखने वाली बात है। बिहार के चुनाव में महिलाओं और युवाओं के महत्त्व का अंदाजा दोनों प्रमुख गठबंधनों को है। सत्ताधारी गठबंधन ने महिलाओं को लुभाने में बाजी मार ली है। राज्य में करीब साढ़े तीन करोड़ महिला वोटर हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य के महिला मतदाताओं के करीब 22 फीसद को दस-दस हजार रुपए की रकम दी जा चुकी है। इस योजना के तहत राज्य की एक करोड़ 21 लाख महिलाओं को इस योजना का फायदा दिया जाना है।

बेशक भारतीय जनता पार्टी विपक्ष शासित राज्यों में ऐसी ही सहयोग देने वाली योजनाओं का कभी रेवड़ी बताकर विरोध करती रही हो, लेकिन अब वह भी ऐसी योजनाओं में भागीदारी कर रही है। छत्तीसगढ़ की जीत में महतारी वंदन योजना और मध्य प्रदेश की जीत में लाडली बहना योजना की भूमिका को शायद ही कोई दल नकार पा रहा है। क्या एक बार फिर महिला मतदाताओं का रुख ही बिहार की अगली सियासी तस्वीर का फैसला करने जा रहा है? क्या मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसा यहां भी दोहराया जाना है? अतीत के अनुभव और सत्ताधारी गठबंधन के दांव तो उसी ओर इशारा कर रहे हैं। वैसे इसमें युवाओं, विशेषकर पहली बार वोटर बने नौजवानों की भी अहम भूमिका रहने जा रही है। हालांकि मतदाताओं के रुख की हकीकत 14 नवंबर को मतगणना के बाद ही सामने आ पाएगी। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान जहां 59.69 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान किया था, वहीं पुरुषों का प्रतिशत महज 54.45 प्रतिशत ही था। बिहार जैसे कम महिला साक्षरता वाले राज्य में ऐसी राजनीतिक जागरूकता को सलाम किया जाना चाहिए। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में महिला साक्षरता दर करीब 51 प्रतिशत ही है। 2010 के विधानसभा चुनावों से ही बिहार में महिलाएं केंद्र में हैं। तब जहां 51.12 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने ही अपने अधिकार का इस्तेमाल किया था, वहीं महिलाओं ने इससे कहीं ज्यादा यानी 54.49 प्रतिशत हिस्सेदारी की थी। इसी तरह 2015 के विधानसभा चुनाव में भी 53.32 फीसद पुरुषों से आगे 60.48 फीसद महिलाओं ने वोट डाले थे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कृत्रिम बारिश योजना में खाद्य संकट के जोखिम

डॉ. वीरेंद्र लाथर

दिवाली उत्सव पर प्रतिवर्ष की जाने वाली आतिशबाजी से गंभीर वायु प्रदूषण उत्पन्न होता है। इसे कम करने के लिए इस साल दिल्ली सरकार ने दिवाली के अगले दिन कृत्रिम बारिश के जरिये मौसम का मिजाज बदलने की योजना बनाई, जिससे खरीफ फसलों की कटाई-गहाई और रबी की बुआई पर असर पड़ने की आशंका है, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा साबित हो सकती है। पिछले छह दशक से देश की खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक खाद्य वितरण प्रणाली को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार किसानों से धान और गेहूं खरीदती है, जिसमें लगभग 80 प्रतिशत योगदान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास के राज्यों का रहा है, जहां अभी अक्टूबर-नवंबर महीने में खरीफ फसलों-धान, ज्वार, बाजरा, मूंग, अरहर, कपास आदि की कटाई-गहाई और रबी फसलों-गेहूं, जौ, चना, सरसों, मसूर, आलू आदि की बुआई चल रही है, जिसके लिए बिना बारिश वाला सूखा मौसम अति आवश्यक है।

निस्संदेह, जब किसान खरीफ फसलों की उपज समेटने और रबी की बुआई में व्यस्त हैं और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास के राज्यों की कृषि उपज विपणन मंडियां अनाज से भरी हुई हैं, तब दिल्ली सरकार द्वारा दिवाली के अगले दिन कृत्रिम बारिश करवाने की योजना अव्यावहारिक है जिससे किसान का नुकसान भी हो सकता है। ऐसे समय की जाने वाली कृत्रिम बारिश के चलते किसानों की खरीफ फसल उपज और मंडियों में अनाज की बर्बादी तथा बुआई की गई फसलों के खराब होने की संभावना रहेगी। उल्लेखनीय है कि सामान्य प्राकृतिक वर्षा तब होती है जब सूरज की गर्मी से नम हवा गर्म और हल्की होकर ऊपर उठती है। ऊपर उठी हुई हवा का दबाव कम हो जाता है और आसमान में एक ऊंचाई पर पहुंचने के बाद वह ठंडी हो जाती है। जब इस हवा में सघनता बढ़ जाती है तो वर्षा की बूंदें बड़ी होकर हवा में देर तक नहीं ठहर पातीं और बारिश के रूप में नीचे गिरने लगती हैं। लेकिन कृत्रिम वर्षा करने के लिए सिल्वर आयोडाइड और सूखी बर्फ जैसे ठंडा करने वाले रसायनों का प्रयोग करके कृत्रिम बादल बनाकर वर्षा करवाई जाती है।

मानव-निर्मित गतिविधियों के जरिये कृत्रिम बादल बनाने और फिर उनसे वर्षा कराने की क्रिया को 'क्लाउड सीडिंग' कहा जाता है। हालांकि, क्लाउड सीडिंग के कई फायदे हैं, लेकिन मौसम परिवर्तन की यह तकनीक पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। इसके नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों में जल और वायु प्रदूषण, पारिस्थितिक तंत्र का विघटन, असामान्य मौसम परिवर्तन और मिट्टी व पानी में रसायनों

का जमाव शामिल है। इसके उपयोग से सिल्वर आयोडाइड जैसे हानिकारक रसायन हवा, पानी और मिट्टी में मिल सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं, और पड़ोसी क्षेत्रों में वर्षा में कमी या अत्यधिक वर्षा व बाढ़ जैसे दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। कृत्रिम वर्षा से प्राकृतिक मौसम चक्र बाधित हो सकता है, जिससे अप्रत्याशित सूखा या अति वर्षा की स्थिति बन सकती है और किसानों व पारिस्थितिकी तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। मौसम के संतुलन में बदलाव के दीर्घकालिक अवांछित प्रभाव हो सकते हैं, जिन्हें अभी मौसम वैज्ञानिक पूरी तरह समझ नहीं पाए। राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण लगभग पूरे वर्ष बना रहता है, लेकिन सर्दी के महीनों (अक्टूबर-मार्च में मानसून की वापसी से वायु गति और तापमान कम होने के कारण पृथ्वी की सतह पर वायु प्रदूषण का घनत्व बढ़ जाता है। पराली जलाने के अलावा, दिल्ली के वायु प्रदूषण के लिए अन्य कारक-वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण कार्य से उठने वाली धूल आदि मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। प्रदूषण में पराली जलाने की महीनेवार हिस्सेदारी अलग-अलग होती है। नवंबर में यह लगभग 30 प्रतिशत और बाकी महीनों में मात्र 0-5 प्रतिशत तक सीमित रहती है। अत: वायु प्रदूषण के लिए वाहन, उद्योग और निर्माण कार्य जैसे स्थानीय कारक अधिक जिम्मेदार हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सर्वोच्च अदालत ने पराली जलाने से रोकने के लिए किसानों को जेल और भारी जुर्माना लगाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। जबकि दिल्ली सरकार की मांग के अनुरूप दिल्लीवासियों को दिवाली पर पटाखे जलाने की अनुमति देना वायु प्रदूषण रोकने की सरकारी नीति में विरोधाभास प्रतीत होता है। निस्संदेह, वायु प्रदूषण पर्यावरण और मानव जीवन के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है, लेकिन वायु प्रदूषण रोकथाम के अब तक के सरकारी प्रयास कम व्यावहारिक और नाकाफी साबित हुए हैं।

इसी कड़ी में दिवाली के अगले दिन दिल्ली सरकार की कृत्रिम बारिश की योजना अव्यावहारिक ही नहीं, बल्कि देश की कृषि और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हो सकती है। राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु कोरे प्रचार पर सरकारी धन की बर्बादी करने वाली योजनाओं के बजाय सरकार को वैज्ञानिक समाधान अपनाने की आवश्यकता है-जैसे कंबाइन हार्वेस्टर पर 'स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम' अनिवार्य करना ताकि पराली खेत में दबाकर जैविक खाद बनाई जा सके, और वाहन तथा उद्योगों के प्रदूषण को प्रभावी रूप से नियंत्रित करना।

शतायु जीवन दे सकते हैं अच्छे बैक्टीरिया

मुकुल व्यास

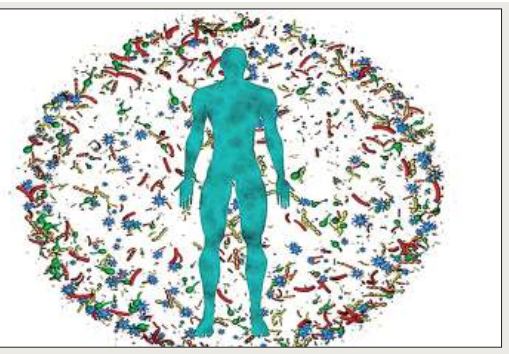

दुनिया में कुछ लोग अपनी आयु का शतक पूरा कर लेते हैं और कुछ गिने-चुने लोग अपने शतक में कुछ और साल जोड़ने में कामयाब हो जाते हैं। क्या इन लोगों का दीर्घ जीवन आनुवंशिक कारणों से है या इसके लिए उनका खानपान और दिनचर्या जिम्मेदार है? वैज्ञानिक काफी लंबे अर्से से इन सवालों का उत्तर ढूंढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। स्पेनी महिला मारिया ब्रान्यास मोरेरा द्वारा छोड़े गए एक 'उपहार' से उनके शोध प्रयासों को नया बल मिला है। मोरेरा का जब 2024 में 117 वर्ष की आयु में निधन हुआ तो वह विज्ञान के लिए अपने माइक्रोबायोम के नमूने छोड़ गई। हर व्यक्ति के शरीर में रहने वाले लाभकारी जीवाणुओं के समूह को माइक्रोबायोम कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने इस नमूने का अध्ययन करने के बाद पाया कि मोरेरा की आंतें दशकों छोटी महिला की आंतों की तरह विविध थीं। वे ऐसे लाभकारी बैक्टीरिया से भरपूर थीं जो दीर्घायु से जुड़े हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि मोरेरा की रोजाना योगर्ट (खास विधि से जमाया गया दही) खाने की आदत और भूमध्यसागरीय आहार ने शायद इसमें मदद की होगी।

हालांकि हम सभी को 'भाग्यशाली जीन' विरासत में नहीं मिलते, फिर भी अपने माइक्रोबायोम का पोषण करना आजीवन स्वास्थ्य बनाए रखने का एक तरीका हो सकता है। सेल रिपोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित एक शोधपत्र में शोधकर्ताओं ने एक सुपरसेंटेनेरियन (110 वर्ष या उससे अधिक आयु का व्यक्ति) पर संभवत: सबसे विस्तृत वैज्ञानिक शोध प्रस्तुत किया है। अपनी मृत्यु से पहले ब्रान्यास ने इस शोध में भाग लेने पर सहमति व्यक्त की थी जिसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि उन्होंने इतना लंबा और स्वस्थ जीवन कैसे जिया। वैज्ञानिकों ने उसके नमूनों की तुलना उन लोगों के नमूनों से की जिनकी उम्र इतनी असाधारण नहीं थी। उन्होंने पाया कि ब्रान्यास के शरीर में सुरक्षात्मक जीन मौजूद थे जो सामान्य बीमारियों से बचाते हैं। लेकिन उन्होंने आंत के माइक्रोबायोम पर भी ध्यान दिया जिस पर हमारा ज्यादा नियंत्रण है।

यह माइक्रोबायोम बैक्टीरिया, कवक और अन्य सूक्ष्मजीवों का विशाल समुदाय है जो हमारी आंतों में रहते हैं। ये भोजन को पचाने, विटामिन बनाने, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करने और मस्तिष्क से संवाद करने में मदद करते हैं। यद्यपि हमारे जीन हमारे माइक्रोबायोम को आकार देने में छोटी भूमिका निभाते हैं, लेकिन आहार और जीवनशैली कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। आमतौर पर जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ती है, आंत में सूक्ष्मजीव प्रजातियों की विविधता कम हो जाती है और बिफीडोबैक्टीरियम जैसे लाभकारी सूक्ष्मजीव कम हो जाते हैं। विविधता में इस कमी को दुर्बलता से जोड़ा गया है। ब्रान्यास की आंत का माइक्रोबायोम किसी बहुत कम उम्र के वयस्क की तरह ही विविध था और विशेष रूप से बिफीडोबैक्टीरियम परिवार के जीवाणुओं से भरपूर था। ज्यादातर बुजुर्गों में ये बैक्टीरिया कम हो जाते हैं, लेकिन ब्रान्यास के स्तर अन्य शतायु और अतिशतायु लोगों में बिफीडोबैक्टीरियम के बढ़े हुए स्तर की पिछली रिपोर्टों से मेल खाते थे।

शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि इस असामान्य रूप से युवा माइक्रोबायोम ने उनकी आंत और प्रतिरक्षा स्वास्थ्य को सहारा दिया होगा, जिससे उनकी असाधारण दीर्घायु में योगदान मिला। बिफीडोबैक्टीरिया शिशु की आंत में बसने वाले पहले सूक्ष्मजीवों में से हैं और आमतौर पर जीवन भर लाभकारी माने जाते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि ये प्रतिरक्षा कार्य को बढ़ावा देने, आंत संबंधी विकारों से बचाने और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। ब्रान्यास के आहार से इस बात का सुराग मिला कि उनमें बिफीडोबैक्टीरियम का इतना उच्च स्तर क्यों था। ब्रान्यास ने बताया कि वह रोजाना तीन बार योगर्ट का सेवन करती थी। योगर्ट में जीवित बैक्टीरिया होते हैं जो बिफीडोबैक्टीरियम के विकास को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने भूमध्यसागरीय आहार भी अपनाया, जो खाने का एक ऐसा तरीका है जो आंत के माइक्रोबायोम की विविधता और अच्छे स्वास्थ्य से लगातार जुड़ा हुआ है। बिफीडोबैक्टीरियम को बढ़ावा देने वाले अन्य खाद्य पदार्थों में केफिर (एक तरह की छाछ) और फर्मेंट की गई सब्जियां शामिल हैं। इनमें प्रोबायोटिक्स अथवा जीवित बैक्टीरिया होते हैं जो आंत में बस सकते हैं और स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं। लेकिन प्रोबायोटिक्स को ईंधन की आवश्यकता होती है। प्रीबायोटिक्स खाद्य पदार्थों में आहारीय रेशे होते हैं जिन्हें हम पचा नहीं सकते लेकिन जिन पर हमारे सूक्ष्मजीव पनपते हैं।

ये रेशे प्याज, लहसुन, केले, जई और फलियों जैसे खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं। प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स मिलकर एक संतुलित माइक्रोबायोम बनाए रखने में मदद करते हैं। बेशक, यह एक अकेले व्यक्ति पर किया गया अध्ययन था और वैज्ञानिक यह दावा नहीं कर रहे हैं कि केवल उसका माइक्रोबायोम ही उसकी लंबी आयु की व्याख्या करता है। उसकी असाधारण दीर्घायु लगभग निश्चित रूप से कई परस्पर जुड़े कारकों का परिणाम थी जिनमें सुरक्षात्मक जीन, कुशल चयापचय (मेटाबॉलिज्म), कम सूजन और संभवत: आंत के विविध माइक्रोबायोम का समर्थन शामिल है। माइक्रोबायोम अनुसंधान तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन अभी तक कोई नहीं जानता कि 'आदर्श' माइक्रोबायोम कैसा दिखता है। ज्यादा विविधता आमतौर पर बेहतर स्वास्थ्य से जुड़ी होती है।

गट हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद हैं ये फर्मेंटेड फूड

आजकल की आधुनिक जीवनशैली में भागदौड़ इतनी अधिक रहती है कि अक्सर लोग पाचन क्रिया और गट हेल्थ को नजरअंदाज करते हैं। जबकि पेट का स्वास्थ्य हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है? सिर्फ पाचन ही नहीं, बल्कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता, मानसिक स्वास्थ्य और ऊर्जा का स्तर भी सीधे तौर पर हमारे गट माइक्रोबायोम (पेट में रहने वाले सूक्ष्म जीव) पर निर्भर करता है। जब हमारे पेट में अच्छे और बुरे बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ जाता है, तो इससे पेट संबंधी समस्याएं, थकान और यहां तक कि तनाव भी हो सकता है। ऐसे में आप डाइट में कुछ खास बदलाव करके अपने पेट के स्वास्थ्य को ठीक रख सकते हैं। इसलिए फर्मेंटेड फूड्स यानी खमीर वाले खाद्य पदार्थ आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकते हैं। ये खाद्य पदार्थ नेचुरल रूप से प्रोबायोटिक्स से भरपूर होते हैं जो हमारे पेट के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

केफिर

केफिर एक प्रोबायोटिक युक्त पेय पदार्थ है, जो दही की तरह दिखता है लेकिन उससे ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इसे दूध और केफिर के दानें से तैयार किया जाता है। केफिर में दही की तुलना में अधिक विविधता वाले लाभकारी बैक्टीरिया और यीस्ट होते हैं, जो इसे एक शक्तिशाली गट-हेल्दी ड्रिंक बनाते हैं। यह कैल्शियम और प्रोटीन से भी भरपूर होता है, जिससे यह हड्डियों को मजबूत बनाने में भी सहायक होता है।

साउरक्राउट

एक और लोकप्रिय फर्मेंटेड फूड साउरक्राउट है, जो बारीक कटी हुई पत्ता गोभी को फर्मेंट करके बनता है। यह जर्मनी और यूरोप के अन्य हिस्सों में काफी प्रचलित है। यह लैक्टोबैसिलस बैक्टीरिया का एक शानदार स्रोत है और फाइबर, विटामिन सी और के से भरपूर होता है। साउरक्राउट का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और शरीर को पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद मिलती है।

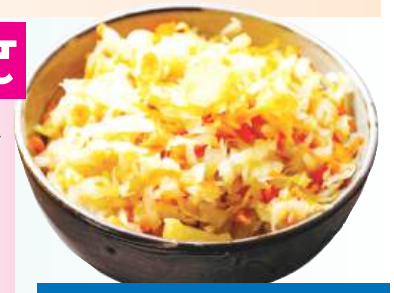

किमची

कोरियाई व्यंजनों का एक खास हिस्सा किमची भी एक बेहतरीन फर्मेंटेड फूड है। यह गोभी और अन्य सब्जियों को मसालेदार पेस्ट के साथ फर्मेंट करके बनाया जाता है। किमची में प्रोबायोटिक्स के साथ-साथ विटामिन ए, बी और सी की भी भरपूर मात्रा होती है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन में सहायक होते हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसके तीखे और खट्टे स्वाद के कारण इसे सलाद या अन्य व्यंजनों के साथ साइड डिश के रूप में खाया जाता है।

दही

हमारे घरों में सबसे आम फर्मेंटेड फूड दही है। दही में लैक्टोबैसिलस नामक अच्छे बैक्टीरिया पाए जाते हैं, जिन्हें लाइव कल्चर भी कहा जाता है। ये बैक्टीरिया हमारी पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं, कब्ज और गैस जैसी समस्याओं को दूर करते हैं और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। अपने आहार में सादा और बिना चीनी वाला दही शामिल करना गट हेल्थ के लिए सबसे आसान और प्रभावी तरीका है।

हंसना मना है

पत्नी सब्जी लेने में इतना मोलभाव कर रही थी कि पति परेशान हो गया, पति: मेहरबानी करके जल्दी खरीदो। ऑफिस के लिए लेट हो रहा हूं, पत्नी: तुम बीच में मत बोलो, जल्दी-जल्दी के कारण ही तुम जैसा पति मिला है मुझे। अब सब्जी के मामले में जल्दी नहीं करूंगी...

पत्नी दर्द से कराहते हुए- सुनो... मेरे सीने में बहुत तेज दर्द हो रहा है, शायद हार्ट अटैक आया है, जल्दी से एंबुलेंस बुलवाओ ना... पती (जल्दी-जल्दी में)- ठीक है फोन करता हूं। जरा, अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओ... पत्नी- चलो रहने दो, अभी रुक जाओ पहले से ठीक लग रहा।

ससुर: अरे दामाद जी क्या हाल हैं आपके? दामाद जी: बस आपकी ही माया है, ससुर: अरे दामाद जी, घर के तूफान की क्या खबर है? दामाद जी: आपकी तूफान कूलर के आगे सो रही है, कहिए तो आपकी बात करा दूं।

हसबैंड- डार्लिंग तुम खुबसूरत होती जा रही हो, पत्नी किचन से- तुमने कैसे जाना? हसबैंड- तुम्हें देखकर तो अब रोटियां भी जलने लगी हैं।

कहानी | हाथी और दर्जी

सालों पहले एक गांव रत्नापुर में एक जाना-माना मंदिर था। उस मंदिर में रोज एक पुजारी पूजा-पाठ करता था। उस पुजारी के पास अपना एक हाथी था, जिसे वो अपने साथ रोज मंदिर लेकर जाता था। सभी गांव के लोग हाथी को बहुत पसंद करते थे। हाथी भी मंदिर में आने वाले सभी श्रद्धालुओं का खूब स्वागत-सत्कार किया करता था। सुबह पूजा-पाठ खत्म करने के बाद पुजारी अपने हाथी को नहलाने के लिए तालाब में लेकर जाता था। रोज हाथी तालाब में नहाने के बाद घर लौटते समय दर्जी की दुकान पर रुकता था। दर्जी भी रोज हाथी को प्यार से एक केला खाने को देता। हाथी केला खाने के बाद अपनी सूंड से दर्जी को नमस्ते करके पुजारी के साथ घर चला जाता था। ये सब हाथी और पुजारी की रोजमर्रा की जिन्दगी का एक हिस्सा था। एक दिन हाथी जब दर्जी की दुकान पर केला खाने के लिए रुका, तो दर्जी को शरारत करने का दिल हुआ। उसने हाथी को केला देने के बाद अपने हाथ में सुई रख ली। जैसे ही हाथी ने उसे नमस्ते किया, दर्जी ने उसकी सूंड पर सुई चुभा दी। सुई चुभते ही हाथी जोर से चिंघाड़ते हुए करहाने लगा। दर्जी ने हाथी के दर्द का खूब मजाक उड़ाया और जोर-जोर से हंसने लगा। पुजारी को पता नहीं चला कि क्या हुआ। वो हाथी को सहलाते हुए अपने घर लेकर चला गया। अगले दिन फिर पुजारी और हाथी तालाब से लौटकर आ रहे थे। पुजारी कुछ दूर रुककर लोगों से बात करने लगा। हाथी रोज की तरह दर्जी की दुकान पर रुक गया। आज हाथी ने अपने सूंड में कीचड़ भर लिया था। दर्जी अपनी दुकान में बैठकर कपड़ों की सिलाई कर रहा था। जैसे ही हाथी ने दर्जी को देखा, वैसे ही हाथी ने उसकी पूरी दुकान पर कीचड़ फेंक दिया। उस कीचड़ में दर्जी तो भीगा ही, बल्कि उसकी दुकान के सीले हुए कपड़े भी खराब हो गए। इस सबसे दर्जी समझ गया कि मैंने कल जो किया था, उसी का दण्ड हाथी ने मुझे आज दिया है। दर्जी को अपनी गलती का एहसास हुआ और वो हाथी के पास भागकर गया। उसने हाथी से माफ़ी मांगने की कोशिश की। उसने कहा, हे गजराज, आपने बिल्कुल सही किया। मैंने जो कल किया था, उसका नतीजा यही होना चाहिए। हाथी ने दर्जी की तरफ देखा और अपनी सूंड को हवा में लहराते हुए वहां से चला गया। दर्ज़ी को मन-ही-मन बहुत बुरा लग रहा था। उसने अपने मजाक-मस्ती के चक्कर में एक अच्छा दोस्त हाथी खो दिया था। उस दिन से दर्जी ने ठान ली कि वो किसी को भी मजाक में भी नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृषभ

आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं।

मिथुन

यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

कर्क

भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

सिंह

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कन्या

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला

नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। नया काम मिलेगा।

वृश्चिक

तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है।

धनु

कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें।

मकर

आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मीन

आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे।

बॉलीवुड | अपकमिंग

अब तीन तीन हिरोइनों से इश्क फरमायेंगे आयुष्मान खुराना

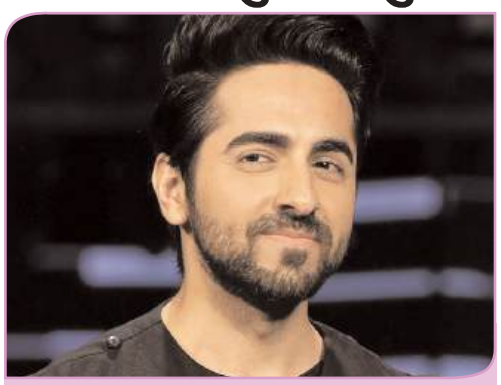

साल 2019 में रिलीज हुई कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनकर और अनन्या पांडे स्टारर मूवी पति पत्नी और वो को काफी पसंद किया गया था। यह फिल्म ठीक-ठाक कमाई कर ले गई थी। 6 साल से इस फिल्म के सीक्वल की चर्चा हो रही थी। अब आखिरकार फिल्म की रिलीज डेट रिवील कर दी गई है। जब से पति पत्नी और वो के सीक्वल की बात हो रही थी तो माना जा रहा था कि कार्तिक आर्यन ही सीक्वल का भी हिस्सा होंगे। मगर अब ऐसा नहीं है। धनतेरस के दिन मेकर्स ने एक बड़ी अनाउंसमेंट करते हुए कार्तिक के फैंस का दिल तोड़ दिया है। कार्तिक की जगह आयुष्मान खुराना ने ले ली है। जी हां, 18 अक्टूबर को टी-सीरीज की तरफ से पति पत्नी और वो के सीक्वल का एलान हुआ है, वो भी नई स्टार कास्ट के साथ। कार्तिक को रिप्लेस कर आयुष्मान इस बार पति और गर्लफ्रेंड्स के बीच फंसेंगे। पहली फिल्म में कार्तिक की एक बीवी और गर्लफ्रेंड थी, लेकिन सीक्वल में आयुष्मान के पास बीवी के लिए दो और लड़कियों के भंवर में फंसेंगे। फिल्म का पोस्टर रिलीज कर इसकी रिलीज डेट रिवील की गई है। सीक्वल का नाम है पति पत्नी और वो दो। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा है, हर पति की होती है, अपनी ही एक अफलातून दुनिया। जो उनको भले ही सताती हो, मगर हम सबको बड़ा हंसाती है। फिल्म में आयुष्मान खुराना प्रजापति पांडे की भूमिका में दिखाई देंगे। एक्टर के साथ-साथ हीरोइनों को भी रिप्लेस किया गया है। इस बार भूमि या अनन्या नहीं, बल्कि आयुष्मान के साथ लीड रोल में सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह हैं। फिल्म अगले साल 4 मार्च को होली के मौके पर रिलीज होगी।

'दंगल' फेम जायरा वसीम ने किया निकाह

आमिर खान की फिल्म दंगल में छोटी गीता फोगट का रोल कर चुकीं जायरा वसीम ने अपने निकाह की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। निकाह की तस्वीरों में वह अपने शौहर के साथ नजर आ रही हैं। फैंस ने जायरा वसीम को निकाह की मुबारकबाद दी है।

जायरा वसीम ने शुक्रवार रात इंस्टाग्राम पोस्ट पर अपने निकाह की कुछ तस्वीरें साझा की। एक तस्वीर में वह निकाहनामे पर साइन कर रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह अपने शौहर के साथ खड़ी हैं। जायरा ने अपने निकाह में लाल जोड़ा पहना है। इन तस्वीरों के साथ पोस्ट पर जायरा ने लिखा है, 'कुबूल है, कुबूल है, कुबूल है।'

आमिर की फिल्म 'दंगल (2016)' और 'सीक्रेट सुपरस्टार(2017)' जैसी फिल्मों में अपने उम्दा अभिनय के लिए जायरा वसीम को भी आज याद किया जाता है। वह प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'द स्काय इज पिंक(2019)' में भी नजर आईं। महज चार साल के करियर के बाद अचानक एक दिन जायरा ने बॉलीवुड छोड़ने का एलान कर दिया। यह जानकारी भी उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी थी। जायरा का कहना था कि वह धर्म के रास्ते पर चलना चाहती है इसलिए अभिनय की दुनिया से दूरी बना रही हैं। जब जायरा ने बॉलीवुड छोड़ा तो उनकी उम्र सिर्फ 18 साल थी।

नागिन-7 में हुई विंदास एक्ट्रेस ईशा सिंह की इंट्री

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

नागिन 7 टीवी के मोस्ट अवेटेड शोज़ में से एक है। पहले की रिपोर्ट्स के मुताबिक खबर थी कि इसमें प्रियंका चाहर चौधरी मुख्य भूमिका में हैं और चांदनी शर्मा उनके साथ सामांतर भूमिका में नजर आएंगी। लेकिन शो में कुछ तबदीली की खबरें आ रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ईशा सिंह भी एकता कपूर के शो की कास्ट में शामिल हो गई हैं। जानकारी मिली है कि नए सीजन में उत्साह बनाए रखने के लिए धीरे-धीरे कलाकारों की सूची जारी करने की योजना बनाई जा रही है। ईशा सिंह इस सीरीज में नई सदस्य हैं और वह अपने किरदार में बिल्कुल फिट बैठती हैं। वह इस सीरीज में अपना आकर्षण और गहराई लेकर आएंगी।

अगर रिपोर्ट सच साबित होती है, तो नागिन 7 के साथ ईशा दो साल बाद किसी फिक्शन टीवी शो में वापसी करेंगी। उनका आखिरी फिक्शन शो बेकाबू था जोकि साल 2023 में आया था। इसे एकता कपूर ने ही प्रोड्यूस किया था। बेकाबू के बाद, ईशा बिग बॉस सीजन 18 में नजर आईं और रियलिटी शो में अविनाश मिश्रा के साथ उनकी दोस्ती चर्चा का विषय बन गई थी। नागिन 7 के लीड एक्टर की बात करें तो खबरें हैं कि प्रियंका के अपोजिट नमिक पॉल नजर आएंगे। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसी भी खबरें थीं कि विवियन डीसेना शो में एक अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। नागिन 7 की आधिकारिक रिलीज डेट अभी घोषित नहीं हुई है, लेकिन खबर है कि पति पत्नी और पंगा अगले महीने ऑफ एयर होने वाला है और एकता कपूर का शो उसकी जगह लेगा। नागिन 7 के पिछले सीजन में तेजस्वी प्रकाश मुख्य भूमिका में थीं। इसका प्रसारण 12 फरवरी, 2022 को शुरू हुआ था और आखिरी एपिसोड 9 जुलाई, 2023 को प्रसारित हुआ था।

अजब-गजब | इस व्यक्ति को अपने नाम लिखने में लगते हैं घंटों, भर जाते हैं 7 पन्ने

ये है दुनिया के सबसे लंबे नाम वाला शख्स

दुनिया में अरबों लोग रहते हैं, लेकिन नामों की लंबाई के मामले में एक शख्स का जलवा बरकरार है। न्यूजीलैंड के लॉरेंस वाटकिंस, जिनका पूरा नाम 2253 अनोखे शब्दों का समूह है, दुनिया के सबसे लंबे नाम वाले व्यक्ति के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हैं। यह रिकॉर्ड मार्च 1990 में रचा गया, जब 24 वर्षीय लॉरेंस ने डीड पोल के जरिए अपना नाम बदल लिया था। लेकिन यह सफर आसान नहीं था-इसमें कानूनी जंग भी लड़ी गई। अक्टूबर 2025 में गिनीज ने इस रिकॉर्ड को अपडेट किया, जो फिर से सुर्खियों में आ गया।

लॉरेंस का जन्म न्यूजीलैंड में लॉरेंस ग्रेगरी वाटकिंस के नाम से हुआ था। 1989 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स पढ़ते हुए उन्हें लगा कि सबसे लंबे नाम का रिकॉर्ड ही वो तोड़ सकते हैं। उस समय न्यूजीलैंड में नाम की लंबाई या टाइटल्स पर कोई पाबंदी नहीं थी। शहर की लाइब्रेरी में काम करते हुए उन्होंने किताबों से नाम चुने और सहकर्मियों से सुझाव लिए। नामों को वर्णमाला क्रम में रखा गया, जो 'लॉरेंस अलोन अलॉयस अलॉयसियस अल्फेज अलुन अलुरेड अल्विन एलिसैंडर एम्बी एम्ब्रोस' से शुरू होता है। उनका पसंदीदा नाम AZ2000 है, जो A से Z तक के नामों का प्रतीक है। नाम बदलने की प्रक्रिया में लिस्ट

टाइप करवाने पर कुछ सौ डॉलर खर्च हुए, क्योंकि उस जमाने में कंप्यूटर सीमित थे।

हालांकि, नाम बदलना इतना आसान नहीं था। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने आवेदन मंजूर कर लिया, लेकिन जब लॉरेंस ड्राइवर लाइसेंस अपडेट कराने गए, तो क्लर्क ने विश्वास ही नहीं किया। रजिस्ट्रार जनरल ने इसे 'फिजूल' बताकर खारिज कर दिया। लॉरेंस ने हाई कोर्ट में अपील की, जहां जजों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। इस जीत के बाद न्यूजीलैंड सरकार ने दो कानून बदले- नामों को 70 अक्षरों तक सीमित कर दिया और टाइटल्स जैसे लॉर्ड, ड्यूक, किंग या सेंट को प्रतिबंधित कर दिया। लॉरेंस ने नामों में ऐसे ही टाइटल्स डाले थे ताकि वो 'अजीब और उकसाने वाला' बने। उन्होंने कहा, मैं हमेशा थोड़ा प्रसिद्ध बनना चाहता था। इस बदलाव से न्यूजीलैंड में कोई और ऐसा रिकॉर्ड नहीं तोड़ सकता

अब 60 वर्षीय लॉरेंस सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं। उनका पूरा नाम इतना लंबा है कि बोलने में करीब 20 मिनट लग जाते हैं। शादी के दौरान सेलिब्रेंट को नाम पढ़ने में 20 मिनट से ज्यादा समय लगा। वे खुद सभी नाम याद नहीं रख पाते और गिनती करने में घंटों लग जाते हैं। इसके अलावा सरकारी दस्तावेजों में समस्या आती है। उनके पुराने न्यूजीलैंड पासपोर्ट में 6 अतिरिक्त पेज जोड़े गए थे। जन्म प्रमाण पत्र में भी 6 पेज बढ़ाए गए थे। आईडी फॉर्म नाम समेट ही नहीं पाते, जिससे सरकारी विभागों में परेशानी होती है। फिर भी, लॉरेंस को इस पर गर्व है। वे कहते हैं, यह 8 अरब लोगों में अनोखी पहचान है। गिनीज ने 1992 में इसे पहली बार मान्यता दी, तब 2310 नामों के साथ 'सबसे लंबा क्रिश्चियन नेम' कैटेगरी में। 2025 में अपडेट होकर अब ये 'सबसे लंबा पर्सनल नेम' बन गया है, 2253 शब्दों के साथ। लॉरेंस उम्मीद करते हैं कि 2026 की गिनीज बुक में यह रिकॉर्ड दिखेगा।

इंडिया का ऐसा गांव जहां भारतीय कम, विदेशी ज्यादा रहते हैं, इसे कहा जाता है मिनी इजराइल

भारत इतना खूबसूरत है कि जो यहां एक बार आता है वो यहीं का हो जाना चाहता है। कुछ लोग घूम-फिरकर लौट जाते हैं। वहीं कुछ लोग बार-बार आते हैं। पर कुछ ऐसे भी होते हैं जो हमेशा के लिए तो नहीं बसते, पर लंबे वक्त के लिए यहीं रुक जाते हैं। भारत में ऐसा ही एक गांव है जहां पर विदेशी आकर लंबे वक्त के लिए बस जाते हैं। इस वजह से इस गांव को विदेशियों का गांव कहा जाता है। यहां भारतीयों से ज्यादा विदेशी नजर आते हैं। वे यहां पर किराये का कमरा महीनों के लिए ले लेते हैं और यहीं बस जाते हैं।

इंस्टाग्राम यूजर मोहम्मद अमान एक ट्रैवलर और कंटेंट क्रिएटर हैं। उनके 1 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो भारत के ऐसे गांव पहुंचे, जहां भारतीय कम और विदेशी ज्यादा नजर आ जाते हैं। वो यहीं पर किराये का कमरा लेकर महीनों के लिए रहते हैं। इस गांव को मिनी इजरायल भी कहते हैं। ये गांव हिमाचल प्रदेश का धर्मकोट है। ये गांव धर्मशाला से 2 किलोमीटर ऊपर की ओर है। वीडियो में अमान जब गांव में पहुंचे तब बारिश थी, इस वजह से बहुत लोग नहीं नजर आ रहे थे, मगर उनके कैमरे में जितने भी लोग नजर आए, उसमें से अधिकतर विदेशी ही थे। इन विदेशियों में सबसे ज्यादा इजरायली यहां आते हैं और किराये पर कमरे लेकर महीनों के लिए रहते हैं। गांव में कई कैफे हैं जहां इटैलियन, और इजरयली के साथ अन्य देशों का भी खाना मिल जाता है।

दिल्ली प्रदूषण पर राजनीतिक घमासान

दिवाली और स्मॉग को लेकर बीजेपी-आप में तीखी नोंक-झोंक

» विपक्ष ने रेखा सरकार पर डाटा छिपाने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में दिवाली के बाद बढ़े प्रदूषण और स्मॉग को लेकर आप और भाजपा के बीच तीखा राजनीतिक घमासान छिड़ गया है। आप ने भाजपा सरकार पर प्रदूषण नियंत्रण में विफलता, डेटा छिपाने और अवैध पटाखों की बिक्री न रोकने का आरोप लगाया है। वहीं, भाजपा ने इसे दिवाली और हिंदू धर्म को बदनाम करने की कोशिश बताते हुए आप पर पलटवार किया है, जिससे यह मुद्दा पर्यावरण से कहीं अधिक राजनीतिक रंग ले चुका है।

दिवाली के साथ ही दिल्ली में स्मॉग सीजन की पारंपरिक शुरुआत हो चुकी है, और इसके साथ ही सत्तारूढ़ आप और विपक्षी भाजपा के बीच अपेक्षित राजनीतिक टकराव भी शुरू हो गया है। राष्ट्रीय राजधानी में रातोंरात हवा की गुणवत्ता में आई भारी गिरावट ने दोनों पार्टियों को एक-दूसरे पर हमला करने का मौका दे दिया है।

हवा की गुणवत्ता में गिरावट को लेकर आप ने तुरंत भाजपा सरकार पर प्रदूषण नियंत्रण में विफल रहने का आरोप लगाया है। आप के आरोपों के केंद्र में दो मुख्य बिंदु हैं। आप ने आरोप लगाया है कि सरकार वास्तविक प्रदूषण के आंकड़ों को छिपा रही है। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार अवैध पटाखों की बिक्री को रोकने में नाकाम रही।

दिवाली के अगले दिन सुबह से ही नई दिल्ली में घना और गंभीर स्तर का खतरनाक धुआं छाया हुआ है। आप के लिए, यह एक बड़ा राजनीतिक अवसर है, खासकर जब इस साल की शुरुआत में धुएं और यमुना प्रदूषण से निपटने में विफलता के कारण उसे कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

दिवाली को बदनाम करने की कोशिश : सिरसा

आप के आरोपों पर भाजपा ने तीखा पलटवार किया है, जिसमें दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आप पर दिवाली और हिंदू धर्म को बदनाम करने का आरोप लगाया। सिरसा ने आप पर हमला करते हुए कहा, उनका उद्देश्य दिवाली को बदनाम करना है। वे कौन से धार्मिक लोग हैं जो उन्हें यह बयान देने के लिए मजबूर कर रहे हैं? कोई भी आम आदमी किसी धर्म के खिलाफ क्यों बोलेगा? सिरसा ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और उस पर आप के साथ खड़े होने तथा दिवाली विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने सपा नेता अखिलेश यादव के एक कथित बयान का हवाला देते हुए विवादास्पद टिप्पणी की। उन्होंने कहा,अखिलेश जी का भी सिर्फ़ एक ही मकसद है वोट बटोरना, वो है हिंदुओं को बाहर निकालना... उन्होंने क्या कहा? कि समस दिवाली की तरह मनाया जाना चाहिए।

प्रदूषण रोकने में नाकाम रही भाजपा सरकार : भारद्वाज

आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली में प्रदूषण रोकने में नाकाम रही है और अब पंजाब के सिख किसानों को बदनाम कर अपनी नाकामी छिपा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिख किसान दिवाली को बदनाम करने के लिए कभी षड्यंत्र नहीं करेंगे और उनके ऊपर आरोप लगाना शर्मनाक है।सौरभ ने कहा कि सिख गुरुओं ने हिंदुओं के लिए जान तक दी, इसलिए भाजपा को उनका अपमान नहीं करना चाहिए। उन्होंने भाजपा सरकार के पर्यावरण मंत्री पर डेटा छिपाने का आरोप लगाया। भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डेटा के गायब होने पर मंत्री का जवाब गोलमोल था। उन्होंने चेताया कि झूठे डेटा से आमजन की जान खतरे में पड़ सकती है, क्योंकि प्रदूषण बढ़ने पर मरीज और बच्चे सांस लेने में कठिनाई महसूस करते हैं। सौरभ भारद्वाज ने यमुना प्रदूषण को लेकर मुख्यमंत्री के बयान की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के झाग हटाने और केमिकल छिड़काव के दावे से श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है।

नक्सलवाद छोड़ राष्ट्र निर्माण में बनें भागीदार : रेवंत रेड्डी

» आंध्र के मुख्यमंत्री का माओवादियों से आग्रह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने माओवादी नेताओं से आत्मसमर्पण कर राष्ट्र निर्माण में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने नक्सलवाद के उन्मूलन में तेलंगाना पुलिस की अनुकरणीय सेवा और आतंक व नक्सली गतिविधियों को कम करने में उनकी भूमिका की सराहना की, जो राज्य में कानून व्यवस्था की मजबूती को रेखांकित करता है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सक्रि य माओवादी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की और उनसे राष्ट्र के विकास में भागीदार बनने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि तेलंगाना अतीत में माओवादी और आतंकवादी गतिविधियों से पीड़ित रहा है। राज्य पुलिस द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस हाल के दिनों में राज्य में तेजी से घट रही आतंकवादी और नक्सली गतिविधियों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई प्रमुख माओवादी पहले ही आत्मसमर्पण कर चुके हैं। मैं सभी सक्रिय माओवादी नेताओं और कार्यकर्ताओं से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील करता हूं। मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि माओवादियों को नक्सली विचारधारा को त्यागकर राष्ट्र निर्माण और देश के विकास में भागीदार बनना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राज्य में नक्सली समस्या को जड़ से खत्म करने में तेलंगाना पुलिस की अनुकरणीय सेवा की सराहना की। हैदराबाद में पुलिस जवानों के स्मारक पर पुलिस स्मृति दिवस को संबोधित करते हुए, कहा तेलंगाना के 191 पुलिसकर्मियों ने अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

मां काली अंधकार मिटाएं और शांति का मार्ग प्रशस्त करें : ममता

» मुख्यमंत्री ने दीपावली की दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने कालीघाट स्थित आवास पर काली पूजा की। यह एक परंपरा है, जिसका पालन वह चार दशकों से करती आ रही हैं। काली पूजा और दीपावली के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए बनर्जी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हे मां, प्रकाश की देवी, अंधकार मिटाओ और शांति का मार्ग प्रशस्त करो।'

उन्होंने इस अवसर पर एक गाना भी साझा किया, जिसे उन्होंने खुद लिखा है और उसका संगीत भी स्वयं दिया है। इस गीत को प्रसिद्ध बंगाली गायिका श्रीराधा बंदोपाध्याय ने गाया है। बनर्जी ने भोग पकाया और कैबिनेट सहयोगियों, राजनीतिक नेताओं, पत्रकारों और आम जनता सहित अतिथियों का स्वागत किया। काली पूजा के दौरान ममता ने अपने आवास पर पारंपरिक श्यामा पूजा का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने अपने घर के किचन में खुद भोग प्रसाद बनाया। ममता की तस्वीरें टीएमसी के फेसबुक अकाउंट से पोस्ट की गईं। इसमें ममता किचन में एक कढ़ाई पर हलवा बनाते हुए दिख रही हैं। वह कढ़ाई में हलवे को कलछल से उलट-पलट रही हैं। इस पर एक यूजर ने लिखा कि जो नेता राजनीति के शोर के बीच भी मातृभक्ति की शांत ज्योति जलाना जानती हैं, वह सचमुच बंगाल की धड़कन हैं।

भाजपा ने बदले की सारी सीमाएं की पार

» भूपेश बघेल को बेटे चैतन्य से नहीं मिलने देने पर सुशील आनंद नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल काफी भावुक नजर आये। उन्होंने कहा कि बेटा जेल में है। उससे मिलने भी नहीं दिया जा रहा है। मुझे तो छोड़ो, मेरे परिवार, रिश्तेदार या करीबियों को भी बेटे चैतन्य बघेल से मिलने नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में कैसे दीवाली मनेगी? छत्तीसगढ़ कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आज हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहार के दिन भूपेश बघेल को अपने बेटे से मिलने से रोका गया। यह छत्तीसगढ़ की संस्कृति और भावना के विपरीत है।

भाजपा ने बदले की राजनीति की सारी सीमाएं पार कर दी हैं। कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि यह घटना केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना से जुड़ी है। पार्टी ने आरोप लगाया कि चैतन्य बघेल को फर्जी केस में फंसाकर जेल भेजा गया है। दीपावली के दिन पिता (भूपेश बघेस) से मिलने की अनुमति नहीं देना राजनीतिक द्वेष और अमानवीयता है।

मोदी और शाह की कृपा से बेटा जेल में है : बघेल

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल काफी भावुक नजर आये। उन्होंने कहा कि बेटा जेल में है। उससे मिलने भी नहीं दिया जा रहा है। मुझे तो छोड़ो, मेरे परिवार, रिश्तेदार या करीबियों को भी बेटे चैतन्य बघेल से मिलने नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में कैसे दीवाली मनेगी? उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि दो दशक पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने बाबूजी को जेल भेजा था, लेकिन दीपावली के दिन उनसे मिलने की छूट मिल गई थी। पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह की कृपा से बेटा जेल में है। आज दीपावली है पर मुझे उससे मिलने की अनुमति नहीं है। बहरहाल, सबको दीपावली की शुभकामनाएं।

एडिलेड में वापसी को तैयार भारतीय टीम

» आस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला कल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से पीछे चल रही भारतीय टीम की निगाहें एडिलेड में वापसी करने पर टिकी हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे मुकाबला गुरुवार को एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। यह मैच दोनों टीमों के लिए बेहद अहम है। पहले वनडे में जीत दर्ज कर ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 1-0 की बढ़त बना चुका है और अब उसका लक्ष्य लगातार दूसरी जीत के साथ खिताब अपने नाम करने का होगा। वहीं, भारतीय टीम एडिलेड में जीत हासिल कर सीरीज को बराबरी पर लाने की कोशिश करेगी। टीम एडिलेड पहुंच चुकी है और खिलाड़ियों ने नेट्स पर जमकर अभ्यास किया।

पर्थ में पहले मैच में टीम की शुरुआत कमजोर रही थी, लेकिन अब खिलाड़ी उस गलती को सुधारकर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

लंबे अंतराल के बाद मैदान पर उतरे कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली की वापसी पर्थ में उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही। दोनों ही बल्लेबाज पहले वनडे में फ्लॉप साबित हुए थे, जिससे टीम को जीत से हाथ धोना पड़ा। हालांकि, अब एडिलेड में दोनों सीनियर बल्लेबाजों से बड़ी पारी की उम्मीद है। रोहित और विराट ने नेट प्रैक्टिस में जमकर पसीना बहाया। वहीं विराट और रोहित की पर्थ में नाकामी का ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। विराट ने लगभग 45 मिनट तक आउटडोर अभ्यास किया, जिसमें उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के अनुरूप अपने फुटवर्क, संतुलन और शॉट चयन पर खास फोकस किया।

रोहित और कोहली के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

वनडे में अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब हिटमैन

एडिलेड। रोहित शर्मा वनडे में शाहिद अफरीदी का सर्वकालिक रिकॉर्ड तोड़ने के करीब पहुंच गए हैं। रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का हिस्सा हैं और उन्होंने सात महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की है। हिटमैन के नाम से प्रसिद्ध रोहित अपने दिन किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर सकते हैं। रोहित का बल्ला अगर चल पड़ा तो वह वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का अफरीदी का सर्वकालिक रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। रोहित अफरीदी को पीछे छोड़ने से आठ छक्के दूर हैं। रोहित अब तक वनडे में 344 छक्के लगा चुके हैं, जबकि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अफरीदी ने अपने वनडे करियर में कुल 351 छक्के लगाए हैं। इतना ही नहीं रोहित के पास वनडे में 350 छक्के लगाने वाले दूसरा बल्लेबाज बनने का भी मौका है।

यूपी में अमानवीयता व हैवानियत की हदें पार!

» आरोपी गिरफ्तार, विपक्ष के निशाने पर योगी सरकार

लखनऊ में दलित बुजुर्ग को पेशाब चाटने को किया मजबूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना घटी है। एक बुजुर्ग दलित व्यक्ति के साथ अमानवीय व्यवहार करते हुए उसे कथित तौर पर पेशाब चाटने के लिए मजबूर किया गया। इस घटना के बाद विपक्ष के निशाने पर योगी सरकार आ गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि पीड़ित परिवार का कहना है कि यह एक दुर्घटना थी। काकोरी निवासी 60 वर्षीय रामपाल रावत ने पुलिस को बताया कि वह सोमवार शाम करीब 7 बजे शीतला माता मंदिर के पास पानी पी रहे थे, तभी स्वामी कांत ने उन पर पेशाब करने का आरोप लगाया।

शिकायत में पीड़ित ने कहा, कल शाम मैं लखनऊ के काकोरी इलाके में शीतला माता मंदिर में पानी पी रहा था, तभी स्वामी कांत उर्फ पम्मू आया और मुझ पर पेशाब

करने का आरोप लगाया। मैंने कहा कि मैंने पेशाब नहीं किया है, वहां पानी गिर गया है। लेकिन वह नहीं माना और मुझे जातिसूचक शब्द कहे। उसने मुझे धमकाया और मुझे जमीन चाटने पर मजबूर किया। रामपाल के पौत्र मुकेश कुमार ने बताया, मेरे दादाजी को सांस लेने में तकलीफ है। अगर उन्होंने दवाइयां नहीं लीं तो शायद उनकी जान नहीं बच पाएगी। उन्होंने बताया हमने पम्मू के खिलाफ मामला दर्ज कराया। उसने बताया कि मुख्य मंदिर उस जगह से कम से कम 40 मीटर की दूरी पर है जहां उसके दादा ने गलती से पेशाब किया था। स्वामी कांत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता धारा 115(2), 351(3) और 352 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

"किसी की भूल पर उसे अमानवीय सजा नहीं दे सकते : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, किसी की भूल का अर्थ ये नहीं कि उसे अपमानजनक अमानवीय सज़ा दी जाए। परिवर्तन ही परिवर्तन लाएगा!

संघ कार्यकर्ता ने एक बुजुर्ग का किया अपमान : कांग्रेस

इस घटना पर कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता ने एक बुजुर्ग दलित व्यक्ति को अपना पेशाब चाटने पर मजबूर किया। बुजुर्ग व्यक्ति एक मंदिर प्रांगण में बैठा था, तभी बीमारी के कारण उसने गलती से पेशाब कर दिया। गुस्साए संघ कार्यकर्ता ने मौके पर पहुंचकर उसे जातिसूचक गालियां दीं और पेशाब चाटने पर मजबूर किया। भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में हुई यह घटना मानवता पर कलंक है। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह घटना आरएसएस-भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता का प्रतीक है। दलितों के प्रति नफरत उनके खून में है। इसीलिए वे संविधान को खत्म करके देश में मनुवाद लागू करना चाहते हैं, ताकि वे जाति के आधार पर लोगों का शोषण कर सकें। हालांकि, पुलिस ने कहा कि आरोपी का संघ से कोई संबंध नहीं है।

मेहुल चोकसी को लगा झटका

» बेल्जियम की अदालत ने भारत प्रत्यर्पित करने का दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एंटवर्प। मेहुल चोकसी को एक और झटका लगा है जब बेल्जियम की एक अदालत ने फैसला सुनाया कि 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले से जुड़े मामले में भारत को उसके प्रत्यर्पण में कोई कानूनी बाधा नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि भगोड़े व्यवसायी को वहां निष्पक्ष सुनवाई और सुरक्षा मिलेगी। एंटवर्प की अदालत ने यह भी बताया कि चोकसी बेल्जियम का नागरिक नहीं है और उसने स्वीकार किया है कि वह कानून में परिभाषित एक विदेशी नागरिक है। उसने यह भी कहा कि उसका प्रत्यर्पण कोई राजनीतिक, सैन्य या कर-संबंधी मामला नहीं है।

अदालत ने कहा कि भारत ने चोकसी के खिलाफ उसकी जाति, धर्म या राजनीतिक मान्यताओं के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की है। चोकसी के इस आरोप को खारिज करते हुए कि 2021 में भारतीय अधिकारियों के निर्देश पर एंटीगुआ और बारबुडा में उसका अपहरण किया गया था, अदालत ने कहा कि उसके मामले को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है। सीबीआई द्वारा भेजे गए प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर चोकसी को 11 अप्रैल को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने अपने आरोपपत्र में आरोप लगाया है कि कुल 13,000 करोड़ रुपये में से अकेले चोकसी ने 6,400 करोड़ रुपये की हेराफेरी की। अधिकारियों ने बताया कि अदालत ने माना कि भारत के अनुरोध पर बेल्जियम के अधिकारियों द्वारा चोकसी की गिरफ्तारी वैध थी। उन्होंने कहा कि यह आदेश भारत द्वारा चोकसी के प्रत्यर्पण के मामले को पुख्ता करता है, क्योंकि चोकसी के पास बेल्जियम के सर्वोच्च न्यायालय में इस फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है।

बिहार में चुनावी सरगर्मी तेज, सियासत गरमाई

» बोले- 5-10 सीटों का मतभेद सामान्य बात

» महागठबंधन में सब ठीक, एनडीए को देंगे मात

तेजस्वी से मिले कांग्रेस नेता गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। सभी पार्टियां वोटर्स को अपने-अपने पक्ष में करने में जुटी हुई हैं। इसी क्रम में पटना पहुंचे वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने स्पष्ट किया कि महागठबंधन में कोई खास मतभेद नहीं है। वही राजद ने जीविका दीदीयों को लेकर बड़ा चुनावी वादा किया है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने पर जीविका दीदीयों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 243 सदस्यीय गठबंधन में कुछ सीटों को लेकर मामूली मतभेद होना सामान्य बात है और किसी भी राज्य स्तरीय गठबंधन में यह कोई असामान्य बात नहीं है। गहलोत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि महागठबंधन में कोई विवाद नहीं है, 243 सीटों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है और इतने बड़े गठबंधन में 5 से 10 सीटों को लेकर मतभेद होना कोई असामान्य बात नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि किसी भी राज्य में जहाँ गठबंधन होता है, वहाँ कुछ सीटों को लेकर मतभेद होना संभव है। दोस्ताना मुक़ाबले होते हैं, और ऐसा अन्य सभी राज्यों में भी होता है। महागठबंधन भाजपा और जद(यू) के ख़िलाफ़ मज़बूती से खड़ा है। विपक्षी महागठबंधन के भीतर दोस्ताना लड़ाई के मुद्दे को सुलझाने के लिए गहलोत बुधवार को पटना पहुँचे। गहलोत के बिहार के विपक्ष के नेता (एलओपी) तेजस्वी यादव से मिलने की संभावना है, जो राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता हैं और राघोपुर निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने पहले राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बिहार में विधानसभा चुनावों के लिए वरिष्ठ चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया था, जो 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होने वाले हैं।

जीविका दीदीयों को मिलेगा सरकारी कर्मचारी का दर्जा: तेजस्वी

राजद नेता तेजस्वी यादव ने जीविका दीदीयों को लेकर बड़ा चुनावी वादा किया है।उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने पर जीविका दीदीयों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाएगा। इसके अलावा उनके लोन का ब्याज माफ किया जाएगा और ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा। इसके अलावा भी उन्होंने कई वादे किए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने पहले एक ऐतिहासिक घोषणा की थी कि जिन परिवारों के पास सरकारी नौकरियां नहीं है, उन परिवारों में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाएगी। आज हम फिर एक ऐतिहासिक घोषणा करने जा रहे हैं। जीविका दीदीयों का जितना शोषण इस सरकार में हुआ है, शायद ही कभी हुआ होगा। उन्होंने कहा कि हम अपनी यात्रा के दौरान कई जिलों में घूमकर आए और हर जगह हमें जीविका दीदीयों का समूह मिलता था। सभी जीविका दीदीयों के प्रति हमारा सम्मान है और उन्हें उनका अधिकार व सम्मान दिलाना हमारी जिम्मेदारी है। मेहुल चोकसी को करारा झटका! बेल्जियम कोर्ट ने भारत प्रत्यर्पण का दिया आदेश, कहा- निष्पक्ष सुनवाई होगी।

बिहार में मोदी-राहुल की सीधी टक्कर : पप्पू यादव

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि एनडीए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उचित सम्मान नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच सीधी टक्कर के रूप में देखा जा रहा है। पप्पू यादव ने कहा कि लोग इस बिहार चुनाव को मोदी बनाम राहुल के रूप में देख रहे हैं और इससे भाजपा गठबंधन को फायदा होगा... मैं कांग्रेस की विचारधारा के साथ खड़ा हूं। यादव ने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी में नहीं हूं, बल्कि पार्टी का एक सहयोगी सदस्य हूं। मुझे नहीं पता कि दीपांकर जी क्या सोचते हैं।

चिराग बोले- महागठबंधन खुद को नहीं संभाल पा रहा

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार को महागठबंधन पर निशाना साधा, क्योंकि सहयोगी दल सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर सहमत नहीं हो पाए। पासवान, जिनकी पार्टी लोजपा (आर) 29 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, ने यह भी कहा कि एनडीए 14 नवंबर को राज्य में सरकार बनाएगा। विपक्ष पर वार करते हुए चिराग ने कहा कि उनके गठबंधन (महागठबंधन) में इतना कुछ चल रहा है, और राहुल गांधी कहाँ हैं? क्या राहुल जी और तेजस्वी यादव की नैतिक जिम्मेदारी नहीं थी कि वे साथ बैठकर गठबंधन में आने वाली बाधाओं को दूर करें? यह कांग्रेस की गंभीरता की कमी को दर्शाता है। चिराग पासवान ने कहा कि वे चाहे कुछ भी करें, हकीकत यही है कि 14 नवंबर के बाद एनडीए बिहार में सरकार बनाएगा। बिहार की जनता समझ गई है कि अगर महागठबंधन पाँच दलों को एक साथ नहीं रख सकता, तो वे बिहार को भी एकजुट नहीं रख पाएंगे। इससे पहले, एक सभा को संबोधित करते हुए, चिराग ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन द्वारा समय पर सीट बंटवारे की घोषणा पर ज़ोर दिया और कहा कि इससे एक बहुत ही सकारात्मक संदेश गया है।

मथुरा-पलवल रेलखंड पर मालगाड़ी बेपटरी, मरम्मत जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर मध्य रेलवे के मथुरा-पलवल रेलखंड पर वृंदावन रोड और आइई स्टेशनों के बीच कोयले से लदी मालगाड़ी के लगभग 12 डिब्बे पटरी से उतर गए। घटना के बाद बाधित रेल यातायात को तीसरी लाइन पर आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया। मथुरा स्टेशन के अधीक्षक एनपी सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 7 बजे से तीसरी लाइन पर अप और डाउन दोनों दिशाओं में गाड़ियों की आवाजाही शुरू कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि पटरी से उतरी बोगियों को हटाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। फिलहाल अप लाइन की गाड़ियों को तीसरे ट्रैक से और डाउन लाइन की गाड़ियों को चौथे ट्रैक से निकाला जा रहा है। मालगाड़ी के डिब्बे हटाने और क्षतिग्रस्त पटरी की मरम्मत का कार्य जारी है। मंगलवार रात हुई इस दुर्घटना के कारण रेलखंड की अप लाइन, डाउन लाइन और तीसरी लाइन पर यातायात कई घंटों तक प्रभावित रहा था। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि स्थिति को पूरी तरह सामान्य करने के प्रयास लगातार जारी हैं।

कार को लेकर मोदी सरकार पर तीखा प्रहार

» कांग्रेस नेता चिदंबरम ने बीजेपी पर दागे सवाल

» लोकपाल के सदस्यों के लिए सात बीएमडब्ल्यूम लग्जरी कारें खरीदने के टेंडर पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार विरोधी संस्था लोकपाल ने अपने सदस्यों के लिए सात बीएमडब्ल्यू लग्जरी कारें खरीदने के लिए टेंडर निकाला है। इस टेंडर के सामने आने के बाद से बवाल मच गया है। कांग्रेस ने मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा है। दरअसल, कांग्रेस के नेता और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने लोकपाल के इस कदम की आलोचना की है। पी चिदंबरम ने पूछा कि जब सुप्रीम कोर्ट के जजों को मामूली सेडान जाती है, तो लोकपाल के चेयरमैन और उसके छह सदस्यों को बीएमडब्ल्यू कारों की क्या जरूरत है?

ईमानदारी के रखवाले लग्जरी के पीछे भाग रहे हैं : सिंघवी

वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक सिंघवी ने एक्स पर लिखा कि यह देखना कि यह एंटी-करप्शन बॉडी अब अपने मेंबर के लिए बीएमडब्ल्यू ऑर्डर कर रही है, यह दुखद विडंबना है, ईमानदारी के रखवाले लेजिटिमेसी से अधिक लग्जरी के पीछे भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2019 में अपनी स्थापना के बाद से लोकपाल को 8,703 आवेदन मिले हैं। इनसे केवल 24 जांचें हुईं और 6 अभियोजन स्वीकृत हुए हैं।

बता दें कि जिन कारों का टेंडर लोकपाल ने निकाला है, उनमें सभी की कीमत करीब 70 लाख रुपये है। पी चिदंबरम ने लिखा कि इन कारों को खरीदने के लिए पब्लिक का पैसा क्यों खर्च किया जाए? मुझे उम्मीद है कि कम से कम एक या दो सदस्य इन कारों को खरीदने से मना कर देंगे या कर दिया होगा। उल्लेखनीय है कि 16 अक्टूबर को एक नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसमें लोकपाल ने सात बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज एलआई कारों की सप्लाई के लिए एक ओपन टेंडर मंगाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।